जीवन एक संघर्ष

प्रेरणादायक कविता व कहानियों
का संग्रह

निरंजन कुमार

जीवन एक संघर्ष

Publishing-in-support-of,

FSP Media Publications

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.fspmedia.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-93-6026-030-9

Price: ₹ 219.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Publisher.

Printed in India

जीवन एक संघर्ष

(प्रेरणादायक कविता व कहानियों का संग्रह)

निरंजन कुमार

लेखक के बारे में

पिता का नाम - श्री मदन कुमार
नाम - निरंजन कुमार
जन्म तिथि - ३० मार्च १९९४ (२२वर्ष २०१६ में)
शिक्षा - एम.ए. (राजनीति शास्त्र) इग्नू से
निवास स्थान - मूल रूप से बिहार (सकरा, मुजफ्फरपुर) का, परंतु वर्तमान में दिल्ली।
अभिरूचि - पढ़ने घुमने व नये-नये विषयों पर कविता व कहानियों के रूप में लिखने का शौक ।
अनुभव - पिछले पांच सालों से पत्रिकाओं में लिखने का अनुभव।
ईमेल - *ncdv1994@gmail.com*

पुस्तक के बारे में

यह मेरी पहली पुस्तक 'जीवन एक संघर्ष' जो जीवन की प्रत्येक सच्ची घटनाओं को कविता व कहानियों के माध्यम से दर्शाया है। व जीवन के हर पहलू से अवगत करता है।

यह पुस्तक हमें यह बताने की कोशिश करती है, कि जीवन हमारे लिए कुछ पलों का साथ होता है जो आता है व कब चला जाता है पता भी नहीं चलता। इसलिए जीवन को इस ढंग से जीया जाये जो दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सके व अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

संदेश

प्रिय पाठकगण,

मैं, 'निरंजन कुमार', अपनी यह पुस्तक, 'जीवन एक संघर्ष', जिसमें जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक कविता व कहानियों का मिला-जुला सार है और जो जीवन की सच्ची घटनाओं से परिचय कराती हैं, प्रस्तुत कर रहा हूँ। यह पुस्तक हमें यह बताने की कोशिश करती है कि जीवन क्या है? किस प्रकार जीवन का आनंद उठाया जा सकता है? जीवन को कैसे सफल बनाया जा सकता है?

मैं आशा करता हूँ कि यह पुस्तक आप लोगों के लिए मददगार साबित होगी व जीवन में कुछ नया करने के लिए जोश जगाएगी।

अंत में दो पंक्ति आपके लिए कहना चाहता हूँ -

"हर कदम है चलना सीखा, न अब रुक पाएँगे,
जीवन में संघर्ष कर, आगे बढ़ते जाएँगे।"

सधन्यवाद

भवदीय

निरंजन कुमार

विषय-सूची

क्र.	विषय	पृष्ठ क्र.
01	दिल की तमन्ना है,- कि कुछ नया कर जाएँ	01
02	प्रेम दिलवालों की निशानी है	03
03	हम साथ मिल बोझ उठाएँगे	05
04	ज़िंदगी की तलाश	07
05	कोई गुमराह हो न जाए	08
06	दो राही	11
07	ऐ! राही चलता-चल, चलता-चल	14
08	ज़िंदगी ज़िंदा दिलों का नाम है	16
09	सच्चा रास्ता	19
10	जीवन सीढ़ियों की भरमार है	21
11	जीवन	23
12	जीना है, तो इंसान बन जीयो	25
13	हम सभी का साथ निभाएँगे	27
14	हम हैं वीर बढ़ते ही चलेंगे	29
15	जीने का ढंग	31
16	कोशिशे	32
17	इंसान, मैं हूँ इंसान	34
18	जीवन के दोहे	35
19	वो गरीब है	38
20	बेटियाँ	40
21	माता-पिता और गुरू	42
22	शिक्षा है सर्वोत्तम शिखर	44
23	किताबें	46
24	फूल	49
25	पक्षी बन उड़ जाएँगें	52
26	नन्हें-मुन्हें बच्चे	54
27	मैं अपना सपना पाऊँ	56
28	सपना	57
29	सपनों की चाहत	59
30	मन की शक्ति है, मन का है विश्वास	61
31	मन	63

32	समय की पुकार	65
33	पेड़ अगर कटा नहीं होता	68
34	प्रकृति	70
35	प्रकृति का कहना	71
36	लालच का फल (बाल कहानी)	73
37	बराबरी का नतीजा (बाल कहानी)	77
38	नादान राहुल (बाल कहानी)	80
39	राजू और सुरेश (बाल कहानी)	83
40	धैर्य	87
41	राजन	91
42	रीना का संघर्ष	95
43	सुनैना का सपना	98
44	निशानेबाज़ राहुल	102
45	समाज कैसे सुधरेगा (व्यंग्य)	109
46	अपने आप को पहचानिए (लेख)	112

कविता

दिल की तमन्ना है,–
कि कुछ नया कर जाएँ

दिल की तमन्ना है कि कुछ नया कर जाएँ,
कुछ नया कर जाएँ ना समझ नहीं, समझकर,
समझदार बन कुछ नया कर जाएँ,
दिल की तमन्ना है,–कि कुछ नया कर जाएँ।

आखिर हम इंसान हैं, जो चाहे वो कर जाएँ,
हिम्मत, जुनून, चाह और इच्छा भी है।
सभी मिल साथ नया रंग–उमंग बन जाएँ।
छूटे से भी जो न छूटे, ऐसा नया सुरंग बन जाएँ,
दिल की तमन्ना है,–कि कुछ नया कर जाएँ।

है हम ही में काबिलियत जो चाहें कर जाएँ,
है उम्मीद जगी हम ही में, आसमाँ छू जाएँ।
ले दुनिया को साथ, हम साथ बढ़ते जाएँ,
न डरें, न हारें, बस हौसले संग बढ़ते जाएँ,
कुछ करें, कुछ नया करें, यही हमारी आवाज़ बन जाए,
दिल की तमन्ना है,–कि कुछ नया कर जाएँ।

जिंदगी कैसी है? अच्छी है या बुरी,
बस जब तक श्वासों में है श्वास,
कुछ नया कर जाएँ।
खट्टी–मीठी यादों को संजोए,
हम चलते जाएँ, बस चलते जाएँ।
मुश्किलों को पीछे छोड़ कदम बढ़ाते जाएँ।
हमारी तो यही तमन्ना है, दिल की तमन्ना है,
कि कुछ करें, कुछ नया कर जाएँ।

कविता

प्रेम दिलवालों की निशानी हैं

प्रेम दिलवालों की निशानी है,
हर किसी की ये दिवानी है,
बिना माँगे–खरीदे मिल जाती है,
ऐसी इस प्रेम की निशानी है।
प्रेम दिलवालों की निशानी हैं।

प्रेम हर किसी के दिलों–ज़ुबां पे छा जाती है,
प्रेम जीवन की यादगार कहानी है।
प्रेम नहीं तो जीवन काला पानी है,
प्रेम उमंग–मस्ती–अश्रु की भी साथी है।
कुछ मीठे–खट्टे यादों की ज़ुबानी है,
प्रेम दिलवालों की निशानी हैं।

प्रेम दो दिलों की अनसुनी कहानी है,
प्रेम शांति प्यार की जवानी है।
प्रेम समस्याओं का समाधान निकालती है,
प्रेम काँटो को कोमल कर, फूलों–सा अहसास कराती है।
प्रेम बेहोशी में भी होश की दवा बन जाती है,
यही तो प्रेम की ख़ास निशानी है।
प्रेम दिलवालों की निशानी हैं।

प्रेम सूने जग को चहल–पहल में बदल देती है,
प्रेम चैन–विश्राम की सहभागी हैं।
प्रेम झुकना–झुकाना भी सिखाती है,
निराशाओं को आशाओं के डोरे बाँधती है,
प्रेम दृढ़ मजबूती प्रदान कराती है।
प्रेम प्रत्थर दिल को पिघला देती है, इसलिए
प्रेम दिलवालों की निशानी हैं।

प्रेम राहों का पथ–प्रदर्शक भी बन जाती है,
प्रेम शालीनता का अनुभव भी कराती है।
जब कटु शब्दों में प्रेम 'मीठेपन' का अहसास कराती है,
इसलिए तो प्रेम जीवन जीने का आदर्श कहलाती है।

कविता

हम साथ मिल बोझ उठाएँगे

तुम नहीं मैं नहीं, हम साथ मिल बोझ उठाएँगे,
राह में खड़े पथिक को राह हम दिखाएँगे।
एक नहीं दो नहीं, हम चार बनकर आएँगे,
हैं बोझ नाम किसका, जब साथ मिल उठाएँगे।
तुम नहीं मैं नहीं, हम साथ मिल बोझ उठाएँगे।

हैं तुममें हम ही में हिम्मत, हम साथ बढ़ते जाएँगे,
औरों को साथ ले हम राह बढ़ते जाएँगे।
हैं मुसीबत–परेशानियाँ भी, हम साथ दूर कर जाएँगे,
झुकेंगे नहीं रूकेंगे नहीं, हर कंधा हाथ उठाएँगे।
तुम नहीं मैं नहीं, हम साथ मिल बोझ उठाएँगे।

अड़चनों की दीवार खड़ी हैं, हर वार मज़बूती आज़माएँगे,
अड़चनों की दीवार क्या, हम पत्थरों को तोड़ जाएँगे।
खींच देंगे लंकीर ऐसी, हर पथिक राह पर आएँगे,
मिटानें से भी जो न मिटें, ऐसी दरार हम कर जाएँगे।
तुम नहीं मैं नहीं, हम साथ मिल बोझ उठाएँगे।

है अंधकार फैला हुआ, हम साथ लौ जलाएँगे,
रोशनी ऐसी भरेंगे उसमें, सर्वत्र प्रकाश फैलाएँगे।
खाक कर सकें हम दुश्मनी, ऐसी ज्वाला बनकर आएँगे,
है हम ही में जज़्बा बाकी, हर काम हम कर जाएँगे।

जीवन एक संघर्ष

यह मेरी पहली पुस्तक ''जीवन एक संघर्ष,'' जो जीवन की प्रत्येक सच्ची घटनाओं को कविता व कहानियों के माध्यम से दर्शाता है, व जीवन के हर पहलू से अवगत कराता है।

यह पुस्तक हमें यह बताने की कोशिश करती है कि, जीवन हमारे लिए कुछ पलों का साथ होता है, जो आता है व कब चला जाता है पता ही नहीं चलता। इसलिए जीवन को इस ढंग से जिया जाए, जो दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सके व अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

लेखक से संपर्क हेतु :
ncdv1994@gmail.com

FSP
FSP MEDIA PUBLICATIONS

BOOK AVAILABLE
Flipkart Google Play amazon amazonkindle

EBOOK AVAILABLE

ISBN 978-93-6026-030-9
9 789360 260309